

प्रेषक,

राकेश शर्मा,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक उद्योग,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग

देहरादून : दिनांक: २३ अगस्त, २०१३

विषय: उत्तराखण्ड राज्य के नदी तल उपखनिज क्षेत्रों के ई०आई०ए० कराये जाने हेतु राज्य आकस्मिकता निधि से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी, देहरादून के पत्र संख्या १५२२/ई०आई०ए०/भ०खनि०ई०/२०१२-१३, दिनांक २० मार्च, २०१३ के कम में राज्य के विभिन्न जनपदों में नदी तल में विद्यमान ऐसे उपखनिज क्षेत्रों जिनमें निगमों द्वारा खनन कार्य किये जाने पर अनिच्छा व्यक्त की गयी है, के २२२ उपखनिज लौटों का ई०आई०ए० अध्ययन कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष २०१३-१४ के आय-व्ययक के आयोजनागत पक्ष में खनिकर्म इकाई के मद संख्या-१६ व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान के लिए रु० ३.०० करोड़ (रु०० तीन करोड़ मात्र) की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित कर आपके निवर्तन पर रखे जाने एवं नियमानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिसके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है। इस प्रकार एक मद की धनराशि दूसरी मद में कदापि व्यय न की जाय।
- (ii) उक्त धनराशि का व्यय मितव्यता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जायेगा। धनराशि उन्हीं मदों में व्यय की जायेगी, जिनके लिए स्वीकृत की जा रही है।
- (iii) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों एवं बजट मैनुअल व शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- (iv) उक्त धनराशि के व्यय के समय नियमानुसार उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, २००८ का अनुपालन कड़ाई से किया जाये।
- (v) उक्त धनराशि का उपयोग कर नियमानुसार निर्धारित प्रारूप पर उपयोगिता प्रमाण-पत्र तथा मदवार व्यय विवरण यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। उपभोग के उपरान्त अप्रयुक्त अवशेष धनराशि यथासमय दिनांक ३१ मार्च, २०१४ तक समयान्तर्गत समर्पित किया सुनिश्चित किया जाय।
- (vi) अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

(vii) प्रश्नगत धनराशि की प्रतिपूर्ति यथासमय शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाय।

2— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक “8000—आकस्मिकता निधि—लेखा—201—समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः अनुदान संख्या—23 के लेखाशीर्षक—2853—अलौह खनन तथा धातुकर्म उद्योग—02—खानों का विनियमन तथा विकास—आयोजनागत—102—खनिज खोज—03—पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन व प्रबन्ध योजना—16—व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान के नाम डाला जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के अ^०शा०सं० 105/XXVII(2)/2013, दिनांक 06 अगस्त, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

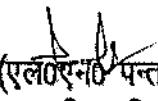
भवदीय,


(राक्षश शर्मा)
अपर सुख्य सचिव।

रा०आ०निधि संख्या: ०२/XXVII-२/रा०आ०निधि/2013, दिनांक ३० जुलाई, २०१३

प्रतिलिपि महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम) उत्तराखण्ड देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

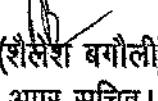

(राक्षश शर्मा)
अपर सचिव, वित्त।

पृष्ठांकन संख्या: ८/८ (१)/VII-१/१८—उद्योग/2013, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. निदेशक, भूतत्प एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. निदेशक कोषगार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
5. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
7. वित्त अनुभाग—२, उत्तराखण्ड शासन।
8. बजट साजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(श्रीलक्ष्मी बगौली)
अपर सचिव।